तापमान

अधिकतम 27.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, शुक्रवार 3 अक्टूबर 2025

13 जंगल से कहर बनकर निकले हाथी, दहशत में हैं ग्रामीण

14 मां दुर्गा की प्रतिमा का विधिविधान के साथ किया...

खबर संक्षेप

बकली में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

राजिम। बकली में नौ दिनों तक पूजा अर्चना पश्चात हवन और धार्मिक अनुष्ठानों के पश्चात मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। सुबह से ही गांव के मंदिरों तथा पंडालों में भक्तगण जुटने लगे विशेष पूजन के बाद मां दुर्गा की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में जसगीत मांदर की थाप और डीजे की धुनों पर भक्तगण झूमते गाते नजर आए। जगह-जगह फूलों से स्वागत किया गया। माता को विदा करते समय माहिलाओं ने आरती उतारी और चुनरी अर्पित कर आशीर्वाद लिया। युवाओं ने उत्साह और ऊर्जा के साथ विसर्जन यात्रा को संपन्न कराया। विसर्जन पश्चात जगह जगह भंडारे का आयोजन किया गया। हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया भंडारे में ग्रामीण महिलाएं बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। भक्तों की भीड़ देर शाम तक बनी रही और प्रसाद वितरण के दौरान आपसी सहयोग और भाईचारे का अदभुत उदाहरण देखने को मिला। नवरात्रि के नौ दिनों तक चले धार्मिक कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने माता रानी से आशीर्वाद लेकर सुख समृद्धि और मंगलकामना किया। भक्तों का कहना था कि यह पर्व आत्मशुद्धि सामाजिक एकता और आस्था का प्रतीक है।

धौराकोट में सेवा पखवाड़ा का आयोजन

मैनपुर। ग्राम पंचायत धौराकोट बूथ क्रमांक 258 मे आज सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम मे शामिल होने के लिए जिला पंचायत सदस्य श्रीमती नेहा सिंघल पहुंची। नेहा सिंघल ने ग्रामीणों के साथ गांव मे झाड़ू लगाकर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रामीणो के साथ शपथ लिया साथ ही ग्रामीणों को गांव को स्वच्छ रखने के अलावा सरकार के विभिन्न योजनाओ से अवगत कराया इस दौरान जनपद सदस्य चन्द्रध्वज मरकाम, सरपंच ग्रामीण महिला समूह के सदस्य बड़ी संख्या मे उपस्थित थे।

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार, बाल-बाल बचे सवार

मैनपुर। आज गुरूवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई जिसमें कार सवार बाल बाल बच गये मिली जानकारी के अनुसार कदलीमुड़ा मुड़गांव मार्ग मे बाईक सवार को बचाते हुए कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई जिससे कार मे सवार चालक और दो लोगो को चोट आई है जिनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे किया जा रहा है आसपास के खेतो मे काम करने वाले ग्रामीणों ने कार सवार घायलो को अस्पताल तक पहुंचाया।

कार से गांजा तस्करी आरोपी फरार

महासमुंद। सिंघोड़ा मंदिर के पास एक कार से पुलिस ने 20 किलो से ज्यादा गांजा बरामद किया है। सिघोड़ा थाने में अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध जुर्म दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

विजयादशमी पर टेंगना तालाब में हुआ मां दुर्गा का विसर्जन, नम आंखों से श्रद्धालुओं ने दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

विजयादशमी पर गुरुवार को कोपरा नगर माँ दुर्गा की विदाई के भावुक पलों का साक्षी बना। श्रद्धालुओं ने नम आँखों और भक्ति भाव से माँ की प्रतिमाओं का टेंगना तालाब में विसर्जन किया। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और जय माता दी के गगनभेदी नारों से पूरा नगर गूंज उठा। बरसते पानी के बीच भी भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

विसर्जन से पहले सभी पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर माँ का आशीर्वाद लिया। इसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सजाए गए वाहनों पर विराजमान रंग-बिरंगी प्रतिमाएं और मंदिरों से निकली झांकियां जब गलियों और मुख्य मार्गों से गुजरीं तो पूरा नगर देवीमय हो गया। जसगीत की धुन और भक्ति गीतों पर महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे नाचते-गाते हुए तालाब पहुंचे। वहाँ महामाया स्पोर्ट्स क्लब की ओर से साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल, नाव, रस्सी और तैराकों की व्यवस्था की गई थी।

विजयादशमी पर देवीमय हुआ कोपरा, शोभायात्रा और जयकारों से गूंजा नगर

शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ विसर्जन

सुरक्षा को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पाण्डुका थाना प्रभारी कृष्ण कुमार जांगड़े के नेतृत्व में पुलिस और ट्रैफिक जवान पूरे कार्यक्रम के दौरान मुस्तैद रहे। इस वजह से विसर्जन शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। पूरे नवरात्रि में नगर का वातावरण भक्तिमय रहा। गांधी चौक दुर्गा उत्सव समिति महामाया मंदिर, शिव चौक दुर्गा उत्सव समिति, गड़ाही चौक दुर्गा उत्सव समिति, श्रीराम जानकी मंदिर सहाड़ा चौक, बालक दुर्गा उत्सव समिति, अखरा देव पैरी नगर दुर्गा उत्सव समिति और कोपेश्वर नाथ महादेव दुर्गा उत्सव समिति सहित विभिन्न स्थानों पर भजन-कीर्तन, जसगीत और धार्मिक आयोजन होते रहे, जिनमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए।

निकली झांकियां जब गलियों और मुख्य मार्गों से गुजरीं तो पूरा नगर देवीमय हो गया। जसगीत की धुन और भक्ति गीतों पर महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे नाचते-गाते हुए तालाब पहुंचे। वहाँ महामाया स्पोर्ट्स क्लब की ओर से साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल, नाव, रस्सी और तैराकों की व्यवस्था की गई थी।

पर्व : हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में देवी-देवताओं की सवारी, अस्त्र-शस्त्रों के साथ शौर्य प्रदर्शन

देव दशहरा में उमड़ा आस्था का सैलाब, रैनी मार व गढ़ चढ़ाई की परंपरा के साथ संपन्न हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गुरुवार को गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ऐतिहासिक धार्मिक स्थल भाठीगढ़ में पारंपरिक देव दशहरा पर्व आदिवासी संस्कृति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। तेज बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं और देवी-देवताओं की भव्य उपस्थिति में यह आयोजन पूरे गढ़ क्षेत्र को भक्ति और परंपरा में डुबो गया। चार दिवसीय इस आयोजन के दूसरे दिन विशाल शोभायात्रा, रैनी मार, गढ़ चढ़ाई और शक्ति प्रदर्शन के साथ विजयदशमी मनाई गई। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने देवताओं के समक्ष सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

- 700 साल पुरानी परंपरा का जीवंत रूप, आदिवासी संस्कृति की झलक देखने उमड़े लोग

भाठीगढ़ का देव दशहरा पर्व कोई साधारण आयोजन नहीं, बल्कि यह 700 वर्षों से अधिक पुरानी परंपरा है जो आज भी वैसी ही भक्ति और उत्साह से मनाई जाती है। इस पर्व में क्षेत्र भर के देवी-देवता एक स्थान पर एकत्र ⏭शेष पेज 12 पर

श्रद्धा से सराबोर रहा पूरा क्षेत्र

इस ऐतिहासिक आयोजन को देखने के लिए प्रदेशभर से श्रद्धालु पहुंचे। आयोजन स्थल पर पूरे दिन धार्मिक झांकियां, अस्त्र-शस्त्रों का प्रदर्शन, शक्ति गीत, और पारंपरिक नृत्य चलते रहे। क्षेत्र की प्रमुख देवी-देवताओं के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। तीसरे दिन देवी-देवता गढ़ चढ़ाई की रस्म निभाते हुए रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन, शुक्रवार को सभी देवी-देवता अपने-अपने दरबार में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे और क्षेत्र के सामाजिक व सांस्कृतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श कर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। यह परंपरा आदिवासी संस्कृति में लोकतांत्रिक संवाद का अनूठा उदाहरण है।

विद्युत संविदा कर्मियों ने दो दिन किया सामूहिक काम बंद

राजिम। राज्य में विद्युत संविदा कर्मियों ने अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर 1 अक्टूबर को सामूहिक रूप से काम बंद किया जिससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई। अचानक हुए इस आंदोलन से आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। छत्तीसगढ़ विद्युत संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरिचरण साहू ,प्रदेश महामंत्री कमलेश भारद्वाज का कहना है कि वे लंबे समय से वेतन बढ़ोतरी, नियमितीकरण और सेवा सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन पावर कंपनी प्रबंधन और शासन-प्रशासन द्वारा उनकी मांगों को अनदेखी की जा रही है। इसी के विरोध में उन्होंने 1 अक्टूबर सामूहिक रूप से कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया। 2 अक्टूबर को भी उन्होंने काम बंद रखा। काम बंद के कारण कई क्षेत्रों में ट्रांसफॉर्मर खराब होने, फॉल्ट की मरम्मत और लाइन मेंटेनेंस जैसे कार्य ठप पड़ गए, जिससे विद्युत आपूर्ति में बाधा उत्पन्न हुई। कई ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घंटों तक बिजली नहीं रही। संविदा कर्मियों ने चेतावनी दी है ⏭शेष पेज 12 पर

- चार सूत्रीय मांगों को लेकर की हड़ताल

टीआई ने की शस्त्र पूजा...

राजिम। गरियाबंद जिला के राजिम थाना में विजयादशमी दशहरा पर्व पर टीआई अमृतलाल साहू ने पंडित के मंत्रोच्चारण के बीच परंपरा के मुताबिक अस्त्र-शस्त्रो की पूजा किया। इस अवसर पर पूरा स्टॉफ मौजूद था। टीआई श्री साहू ने पूरे स्टॉफ को दशहरा पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर ने गांधीजी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आज संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कार्यालय परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर संदेश देते हुए देश की आजादी के आंदोलन को एक नई दिशा दी।

गांधी जी का जीवन लोगों को दृढ़ निष्ठा और सत्याग्रह के मार्ग पर चलकर विपरित परिस्थितियों का सामना करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज भी गांधी जी के विचार समाज को एक बेहतर दिशा देने में उपयोगी है। हम सबको उनसे प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर तहसीलदार चितेश कुमार देवांगन, सहायक जनसंपर्क अधिकारी बीके रात्रे, पटवारी मनोज कंवर, श्री विवेक टेंभरे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। उइके ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण अर्पित कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कार्यालय परिसर में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा को किया नमन

गांधीजी के विचार आज भी प्रासंगिक- इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर संदेश देते हुए देश की आजादी के आंदोलन को एक नई दिशा दी। गांधी जी का जीवन लोगों को दृढ़ निष्ठा और सत्याग्रह के मार्ग पर चलकर विपरित परिस्थितियों का सामना करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज भी गांधी जी के विचार समाज को एक बेहतर दिशा देने में उपयोगी है। हम सबको उनसे प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर तहसीलदार चितेश कुमार देवांगन, सहायक जनसंपर्क अधिकारी बीके रात्रे, पटवारी मनोज कंवर, विवेक टेंभरे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वच्छता रैली से शहरवासियों को स्वच्छता का संदेश

नपं छुरा में स्वच्छोत्सव के तहत हुई विविध स्पर्धाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

नगर पंचायत छुरा में शासन के स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर स्वच्छोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ निर्माण के रजत जयंती वर्ष पर आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंह निषाद, उपाध्यक्ष अब्दुल समीम खान रिज़वी, सभापति भोलेशंकर जायसवाल सहित अनेक गणमान्य अतिथिगण उपस्थित थे। रैली नगर पंचायत प्रांगण से शुरू होकर सदर रोड, बजरंग चौक और बस स्टैंड मार्ग से होकर सांस्कृतिक भवन में समापन हुई।

- चित्रकला, निबंध और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से युवाओं में जागरूकता

रैली के दौरान लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बाल कलाकारों द्वारा स्वच्छता विषय पर कविताएं और गीत प्रस्तुत किए गए। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने प्रेरणा गीत और नृत्य से वातावरण को जीवंत किया। अतिथियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना की।स्वच्छता, शून्य अपशिष्ट, पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को मोमेंट, प्रशस्ति पत्र और प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। सफाई मित्रों को भी साड़ी और उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। संचालन स्काउट मास्टर अर्जुन धनंजय सिन्हा ने किया।

स्वच्छता शपथ व सामूहिक जागरूकता अभियान- नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी थानसिंह निषाद ने स्वच्छता शपथ दिलाई और कहा कि स्वच्छता हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। सभी मिलकर नगर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने का संकल्प लें। प्रत्येक वार्ड में जागरूकता गतिविधियां चलाई गईं और सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा: एक सामूहिक प्रयास- 15 दिनों तक चले स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ अपशिष्ट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया गया था। 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' थीम पर सामूहिक श्रमदान अभियान भी सफल रहा। नगर पंचायत के कर्मचारियों और युवाओं ने मिलकर स्वच्छता को उत्सव के रूप में मनाया।

कांग्रेसजनों ने मनाई गांधी व शास्त्री जयंती

नवापारा-राजिम। 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर कांग्रेसजनो ने नगर के हृदय स्थल गांधी चौक में महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें नमन किया। इस कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नवापारा के अध्यक्ष सौरभ शर्मा ,नपा के पूर्व अध्यक्ष धनराज मध्यानी ,रामा यादव सचिव जिला कांग्रेस कमेटी ,पार्षद हेमंत साहनी ,अर्जुन साहू ,टिकेश गिलहरे ,चतुर जगत ,अजय कोचर ,बीरबल राजपूत ,राजा चावला ,राकेश सोनकर ,रसीद तिगाला ,खेलन साव ,सौरभ सोनी ,रामकुमार शर्मा ,गोल्डी पारख मौजूद थे।

खबर संक्षेप

देवगांव में मां काली की प्रतिमा का धूमधाम से विसर्जन

छुईहा बेलर। ग्राम देवगांव में शारदीय नवरात्र अवसर पर स्थापित मां काली की प्रतिमा का विसर्जन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा-भाव से किया गया। सरपंच डॉ. राजेंद्र कुमार साहू के निज निवास पर स्थापित प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन के बाद शोभायात्रा निकाली गई। मां दुर्गा एवं मां काली की प्रतिमाएं सुसज्जित झांकी के साथ पूरे गांव में भ्रमण कराई गईं। इस दौरान ढोल-ढमाकों और डीजे की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने माता रानी की जयकारों के बीच भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम में सरपंच डॉ. राजेंद्र कुमार साहू के साथ सियाराम, सालिकराम, तेजराम, रामगोपाल, देवशरण, पावश, प्रेम सिंह, तुलेश्वर, भीष्म, तुमेश और ओम सहित ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने माता से सुख-शांति, समृद्धि और गांव की उन्नति की मंगलकामना की।

आकाशवाणी रायपुर के 62वें स्थापना दिवस पर श्रोताओं ने दी शुभकामनाएं

फिंगेश्वर। आकाशवाणी रायपुर के 62वें स्थापना दिवस पर जय मां घटारानी युवा रेडियो लिस्नर्स क्लब फुलझर द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अस्पृश्यता निवारण, कुष्ठ रोग जागरूकता एवं स्वच्छता दिवस मनाया गया। क्लब अध्यक्ष योगेश्वर साहू ने बताया कि रायपुर आकाशवाणी की शुरुआत 2 अक्टूबर 1963 को हुई थी और तब से यह ज्ञान, मनोरंजन, लोकसंस्कृति व जनसेवा का सशक्त माध्यम बना हुआ है।

श्रोताओं ने उद्घोषकों के योगदान की सराहना करते हुए आकाशवाणी से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम "फोन करव, गीत सुनव" को सप्ताह में तीन बार प्रसारित करने की मांग की। इस अवसर पर मोहनलाल देवांगन, गौकरण मानिकपुरी, प्रदीप यदु, ईश्वर तारक, राजकुमार यादव, सरजू साहू सहित अनेक श्रोताओं ने आकाशवाणी रायपुर को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

पेज 11 के शेष...

देव दशहरा में...

होते हैं, आपसी भेंट-मुलाकात होती है और फिर रैनी मारने (सोनपत्ता से रस्म निभाना) के साथ पर्व का समापन होता है। देवी-देवताओं की सवारी ने नेगी परिवार के दरबार में पहुंचकर राजा रजवाड़ों के काल के तलवार, खड़क व अन्य अस्त्र-शस्त्रों की पूजा की। उसके बाद गाजे-बाजे के साथ देवता शक्ति स्वरूप में नृत्य करते और अस्त्र-शस्त्र भांजते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए।

भक्ति, शक्ति और संस्कृति का अनूठा संगम- देर शाम राज भर की प्रमुख देवी जिड़ारिन, गादी माई, बस्तरहीन देवी सहित अन्य देवी-देवता भाठीगढ़ पहुंचे। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद मां बम्हनीन, मां दंतेश्वरी, मां काला कुंवर, मां गढ़वाली, मां भठीगढ़ीन, कचना धुर्वा देव आदि देवी-देवताओं की सवारी रैनी मांठा पहुंची, जहां रैनी मारने की रस्म पूरी की गई। इस भव्य आयोजन में हरिचंद्र नेगी, प्रेमसाय जगत, छबी दीवान, मुख्तियाज दीवान, खेदू नेगी, खेलन दीवान, आशाराम यादव, जयराम चक्रधारी, नाथुराम धुरर्वा, डाकेश्वर नेगी, दामोदर नेगी, तुलसी नागेश, माखन दास वैष्णव, बसंत जगत, लिकेश यादव, महेन्द्र साहू, रामकृष्ण ध्रुव, गेंदु यादव, महेन्द्र नेताम, पवन दीवान, लिलेश साहू, राजेश वैष्णव, लीलेश्वर चक्रधारी, राजेन्द्र नागेश, थानुराम पटेल, लोकेश्वरी नेताम, रामेश्वर पटेल, अकबर सिंह, नितेश कुमार, पारेश्वर नेगी, महेश कुमार दीवान, मंगल यादव, साकेत पटेल, मनीष पटेल, कुमारी बाई पटेल, डोमार सिंह पटेल सहित क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल रहे।

विद्युत संविदा कर्मियों...

कि यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

समस्या का निकालेंगे समाधान- बिजली विभाग के अधिकारियों ने स्थिति को संभालने के लिए स्थायी कर्मचारियों और वैकल्पिक व्यवस्था की कोशिशें कीं, लेकिन सीमित संसाधनों के चलते बिजली व्यवस्था पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी। विभाग ने संविदा कर्मियों से वार्ता कर समस्या का समाधान निकालने की बात कही है।

मां गायत्री की साधना, जप- तप व यज्ञ से मिलने वाले लाभ व ज्ञान की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

गायत्री नवचेतना केन्द्र में नवमी पर्व पर 3 कुंडीय यज्ञ संपन्न

गायत्री नवचेतना केंद्र में लगातार 9 दिवसीय साधना, हवन तत्पश्चात शारदीय नवरात्रि के नवमी तिथि के पावन पर्व पर 3 कुंडीय गायत्री महायज्ञ पूर्णाहुति संपन्न हुआ। जिसमें नौ कन्याओं का श्रृंगार कर पूजन कर कन्याभोज कराया गया। कार्यक्रम का संचालन परमानन्द यादव द्वारा गुरुदेव, मां वंदनीय माता की जीवनी एवं मां गायत्री की साधना जप तप यज्ञ से हमें जो लाभ और ज्ञान मिलता है, उसके बारे में जानकारी दी गई। पूरा माहौल माता की भक्ति में दिखाई दिया। संगीतमय प्रवचन एवं गीत के चलते सभी में उत्साह बना रहा। कार्यक्रम मे सभी लोगों को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भोजन भंडारा रोशन कोमिला देवांगन की ओर से रखा गया था, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम मे परमानंद यादव,नन्दकुमार यादव,यश कुमार सिन्हा,तोपेश्वरी सिन्हा,आराधना यादव,रोशन देवांगन,कोमिला देवांगन,कमला दलवानी ,अर्जुन,खूमीन सिन्हा,गोविंद–दामिन साहू,शिवम सोनी,देवेंद्र यदु,देवेंद्र सिन्हा,रोशन साहू,सेजल सोनी,हेमंत साहू,कृष्णा साहू,ललित सिन्हा,रामु राम साहू,कोमल सिन्हा,डॉ. चंद्रशेखर हरित,ओमप्रकाश बंछोर,पिंकी ठाकुर, हरनारायण सूर्यवंशी,ओमप्रकाश यादव,हेमंत साहू,रेणु साहू,अशोक साहू,राही यादव,खेमसिंग धुरव, भगवानी साहू, प्रफुल्ल साहू,लता सोनी,बलवंत यदु,शुभम सोनी,सौर्य शुक्ला,कीर्ति निषाद अन्य परिजन उपस्थित रहे।

पर्व : भारी बारिश के बावजूद जुटे हजारों श्रद्धालु, देवी-देवताओं की सवारियों ने किया शक्ति प्रदर्शन

कांदाडोंगर में धूमधाम से मनाया गया आदिवासी परंपरा का पर्व देव दशहरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के प्रमुख धार्मिक स्थल कांदाडोंगर में गुरुवार को विजयादशमी के पावन अवसर पर आदिवासी परंपरा अनुसार देव दशहरा पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। भारी बारिश भी श्रद्धालुओं की आस्था को नहीं डिगा सकी। छत्तीसगढ़ और ओडिशा से हजारों की संख्या में लोग यहां पहुंचे और देवी-देवताओं की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

कांदाडोंगर में रावण दहन नहीं किया जाता, बल्कि यह पर्व शक्ति पूजा और सामूहिक आस्था के रूप में मनाया जाता है। यहां विराजमान मां कुलेश्वरी देवी और मां खम्बेश्वरी देवी के दरबार में श्रद्धालुओं ने 84 गांवों से पहुंची डांग-डोली, ध्वज-पताकाओं के साथ आई सवारियों की अगुवाई में भव्य पूजा अर्चना की। पर्व के दौरान देवी-देवताओं ने शौर्य नृत्य कर शक्ति का प्रदर्शन किया। कहा जाता है कि जो भी श्रद्धा से मां कुलेश्वरी के दरबार में मुरादें मांगता है, उसकी हर इच्छा पूरी होती है।

परंपरा का प्रतीकः विजयदशमी का पर्व देवी ध्वज के साथ

मान्यता है कि जब भगवान श्रीराम लंका विजय कर अयोध्या लौटे, तब यह सूचना कांदाडोंगर के देवी-देवताओं को मिली, तो उन्होंने अपनी ध्वज-पताकाओं के साथ इस पर्व को मनाने का संकल्प लिया। तभी से हर साल असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में देव दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। यहां मनाया जाने वाला यह दशहरा आदिवासी संस्कृति और परंपरा का अनूठा उदाहरण है।

ये रहे प्रमुख रूप से शामिल

कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठजन, देवी-देवता समितियां, पुजारीगण, ओडिशा व छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु, धार्मिक संस्थाएं तथा गांव-गांव से आए हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। शोभायात्रा में डांग डोली, अस्त्र-शस्त्र, ढोल-नगाड़ों, और पारंपरिक वेशभूषा में सजकर पहुंचे देवी-देवताओं की झांकियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया।

कांदाडोंगर को लेकर मान्यता है कि त्रेता युग में भगवान राम और लक्ष्मण यहां आए थे। जब रावण ने माता सीता का हरण किया था, तब श्रीराम लक्ष्मण के साथ यहां तपस्या कर रहे ऋषि सरभंग से मिले थे। उन्होंने यहीं कुछ समय कंद-मूल खाकर व्यतीत किया था। आज भी यहां मौजूद लक्ष्मण झूला, हनुमान झूला और जोगीमठ जैसी गुफाएं इस पौराणिक कथा की साक्षी हैं।

मां दुर्गा की प्रतिमाओं का नम आंखों से श्रद्धालुओं ने किया विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

शारदीय नवरात्र महोत्सव का गुरुवार को भावुक समापन हुआ। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में माता दुर्गा की प्रतिमाओं का पारंपरिक विधि-विधान से विसर्जन किया गया। प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की आंखें नम थीं, माता की विदाई में पूरा वातावरण भक्ति और भावनाओं से सराबोर हो गया। ग्राम कुडेरादादर, मेडकीडबरी, कनसिघी, सेम्हरा, टेगनाबासा और रावनाभाटा सहित क्षेत्र भर में सुबह 11 बजे से विसर्जन यात्रा शुरू हुई, जो देर शाम तक जारी रही। युवाओं और महिलाओं की भारी सहभागिता रही।

नवमी तिथि को श्रद्धालुओं द्वारा नौ कन्या भोज कराकर देवी स्वरूपाओं की पूजा की गई। इसके बाद गुरुवार को प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। इस दौरान युवक-युवतियां रंग-बिरंगी पोशाकों में, मां की महिमा गाते हुए, डीजे की धुन पर थिरकते और गुलाल उड़ाते नजर आए। पटाखों की गूंज, जयकारों की गूंज और भक्तों के चेहरे पर उदासी — यह सब मां के प्रति अगाध प्रेम और श्रद्धा का परिचायक रहा।

मां के बिना अधूरा सा लगने लगा माहौल- माता रानी को विदाई देने के समय श्रद्धालु भावुक हो उठे। कुछ की आंखों से आंसू छलक पड़े। माता के विसर्जन को लेकर लोगों में यह भावना थी कि मां अब एक साल बाद ही आएंगी, और तब तक यह चौक, यह पंडाल, यह माहौल सूना रहेगा।

बारिश ने रावण दहन में डाली खलल- ग्राम रसेला में करीब दोपहर 2 बजे झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे रावण दहन के लिए तैयार रावण का पुतला भीग गया। आयोजनकर्ताओं में इसको लेकर चिंता देखी गई। बारिश के कारण सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रभावित हुए। समाचार लिखे जाने तक आयोजक रावण दहन के आयोजन को लेकर विकल्प तलाश रहे थे।

आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूरा होगा जब गांव का हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बनेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

भाजपा मंडल मलेवाअचल द्वारा आत्म निर्भर भारत संकल्प अभियान एवं नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफाम की मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन ग्राम कनसिघी के गायत्री मंदिर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

जिला उपाध्यक्ष प्रीतम सिन्हा अपने संबोधन में कार्यकताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूरा होगा जब गांव का हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बनेगा। आगे उन्होंने जोर दिया कि हमें अपने स्थानीय संसाधनों जैसे अनाज और फलों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। जब गांव आत्मनिर्भर होंगे, तभी देश आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा कर पाएगा। साथ ही सिन्हा ने मंडल में महिला, युवा सम्मेलन करने के लिए जन जागरुकता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में मंडल अध्यक्ष शिवशंकर जयसवाल ने बताया कि पहले विभिन्न वस्तुओं पर 30 से 40 प्रतिशत टैक्स लिया जाता था। जीएसटी लागू होने से कर व्यवस्था सरल हुई हैं और उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिल रहा है। सभी वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान और जीएसटी रिफार्म के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान चंदन साहू,किशन कन्डरा,गुलाब यादव,भुवेन्द्र मरकाम, नारायण सिन्हा, मिलन्तीन कुंजाम, हेमलता ध्रुव,टेशराम ध्रुव, सहित भाजपा के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भक्ति और उल्लास के साथ दी माता को विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

- विधायक रोहित साहू ने की अंतिम पूजा, माता की विदाई में उमड़ा जनसैलाब

शारदीय नवरात्र पर्व की नौ दिनी साधना एवं भक्ति अनुष्ठान के पश्चात दसवें दिन दुर्गा प्रतिमा विसर्जन का भव्य आयोजन किया गया। नगर में निकली शोभायात्रा ने भक्तिमय वातावरण निर्मित कर दिया। दुर्गा पंडाल से तालाब तक निकली विसर्जन यात्रा में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की भारी सहभागिता रही। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने माता रानी के जयकारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

विशेष रूप से राजिम विधायक रोहित साहू ने ग्राम सेंदर दुर्गा पंडाल में माता का अंतिम दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके उपरांत तालाब किनारे पारंपरिक विधि-विधान से प्रतिमा का विसर्जन किया गया। विधायक ने श्रद्धापूर्वक माता रानी को विदाई देते हुए क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। विसर्जन शोभायात्रा में सजाए गए रथ, बजते ढोल-नगाड़े और गूंजते भक्ति गीतों ने वातावरण को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। वहीं, देवी भक्ति जस गीत और नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ये रहे उपस्थित- कार्यक्रम में भाजपा नेता रामाधार साहू, तुलस वर्मा, अध्यक्ष राभमस लाला साहू,योगेश देवांगन अजय वर्मा,सुखचंद, अश्वनी घनश्याम सिंहा ,ईश्वरी साहू,तुलसी साहू, रामाधीन साहु,मोहन साहू, तुलस साहू माखन साहू ,दुर्गा प्रकाश सिंहा,तहलसिंग पटेल, तुलसी सिंहा,परमानंद वर्मा रामू साहू, राजू साहू, जनक साहू, रेवा साहू,दीपचंद सिंहा, तिलक सिंहा,धनेंद्र साहू, किशोर साहू ,ग्रामवासी, समिति सदस्य,सेवा जस गीत पार्टी जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। माता रानी की विदाई के साथ ही सेंदर में नवरात्र महोत्सव का समापन हुआ और भक्तों ने अगले वर्ष पुनः इसी श्रद्धा और उल्लास से पर्व मनाने का संकल्प लिया।

नवापारा में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी पर्व

श्रीराधाकृष्ण मंदिर से निकली भगवान श्रीराम का रथ, लगे जयकारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

विजयादशमी के पावन अवसर पर नवापारा शहर के शीतलापारा स्थित रावणभांठा मैदान में राम-रावण युद्ध का जीवंत मंचन किया गया। आयोजन में भगवान श्रीराम की रथयात्रा, रावण संवाद और युद्ध के प्रसंगों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला के इस पारंपरिक आयोजन में नगरवासियों की भारी उपस्थिति देखी गई।

परंपरा के अनुसार, पंडित ब्रह्मदत्त शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्री राधाकृष्ण मंदिर से भगवान श्रीराम की रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा से पूर्व मंदिर में मोहन अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, गिरधारी अग्रवाल सपरिवार पूजन में शामिल हुए।रथ में भगवान श्रीराम के रूप में जिनेंद्र चक्रधारी, लक्ष्मण के रूप में भागवत चक्रधारी, हनुमान बने नरेश चक्रधारी, अंगद के रूप में लोकेश महार, और सुग्रीव बने चन्दन चौहान विराजमान थे।

राम-रावण संवाद से युद्ध तक का मंचन- रावणभांठा में सजे मंच पर राम दल और रावण दल आमने-सामने थे। रावण की भूमिका चेतन चौहान, मेघनाद प्रीतम चौहान, कुंभकर्ण अजय चक्रधारी तथा अन्य पात्रों द्वारा निभाई गई। रावण और अंगद के बीच हुए संवाद में रावण ने गर्जना की – रावण मिट जाएगा, पर झुकेगा नहीं। इसके बाद राम-रावण युद्ध का मंचन हुआ, जिसमें भगवान श्रीराम द्वारा रावण व राक्षस दल का वध कर दिया गया।

रामलीला मंडली का विशेष योगदान- इस भव्य आयोजन में रामायण मंडली के सीताराम सोनकर, रामाधार कहार, प्रकाश प्रमेद बया, नूतन ताम्रकार, प्रेम देवांगन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की रूपरेखा भूषण चक्रधारी, विजय चौहान और टीकम चक्रधारी ने मिलकर तैयार की थी।

कांग्रेस ने लगाया पांच लाख गायों के गायब होने का आरोप

नवापारा में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी पर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

गरियाबंद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भाव सिंह साहू और जिला प्रशासनिक महामंत्री विकास तिवारी ने गुरुवार को एक पत्रकार वार्ता में भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीते पौने दो वर्षों में राज्य से लगभग पांच लाख गौवंश गायब हो गया है। नेताओं का दावा है कि सरकार ने गौठानों को बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बंद कर, गायों की तस्करी को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दिया है।

पत्रकार वार्ता के दौरान नेताओं ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में राज्यभर में 10,800 गौठानों के माध्यम से 14 लाख गौवंश का प्रबंधन होता था। इन गौठानों में चारा, पानी और गोबर खरीदी की नियमित व्यवस्था थी। भाजपा के सत्ता में आने के बाद गौठानों को लगभग बंद कर दिया गया, जिसके कारण गायें खुले में घूमने लगीं, भूख से मरने लगीं और सड़क दुर्घटनाओं की शिकार बनने लगीं।

गौठानों की जगह न गो अभ्यारण्य बने, न गोधाम- कांग्रेस नेताओं ने बताया कि भाजपा सरकार ने गौठानों को बंद करने के बाद गोधाम बनाने की बात कही थी, लेकिन न कोई गो अभ्यारण्य बना, न ही गोधाम की ठोस व्यवस्था हुई। दिखावे के तौर पर प्रति पशु 10 रुपये प्रतिदिन चारा देने की बात की गई, लेकिन इतनी राशि में कोई सार्थक चारा व्यवस्था संभव नहीं है। यह एक क्रूर मज़ाक है, – भाव सिंह साहू ने कहा। उन्होंने आगे जोड़ा कि गायों की दुर्दशा देखकर गांवों में अब लोग आक्रोशित हैं।

गायों की सुरक्षा पर उठे सवाल- कांग्रेस ने सवाल किया कि जो पार्टी खुद को गौरक्षक कहती है, उसके शासन में ही गौवंश की दुर्दशा क्यों हो रही है? नेताओं ने बताया कि गायों की मौत की घटनाओं पर छह जांच समितियां गठित की गई हैं, और गांव-गांव में कार्यकर्ताओं के माध्यम से आंकड़े एकत्रित किए गए हैं।

खबर संक्षेप

नवमीं पर नौ कन्या भोग का भव्य आयोजन

छुईहा बेलर । शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर नवदुर्गा उत्सव समिति सिद्धिविनायक चौक, बेलर द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवमी के दिन नवकन्या भोग का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों को माता के नौ रूपों में सजाया गया तथा लगुरावा बनाकर उनका पूजन किया गया।

इस अवसर पर माता रानी को छप्पन भोग अर्पित कर प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता कर आस्था प्रकट की और मंगलकामना की।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल रहे – खेमू साहू, सजेश साहू, शिवम सिन्हा, वेदप्रकाश साहू, शुभम सिन्हा, दीपक साहू, रवि सिन्हा, गुलशन ध्रुव, रेखराज साहू, खेमचंद साहू, भीम साहू, गोना यादव, नीलकंठ साहू, भागवत सिन्हा, नितेश साहू, गोल्टी साहू, परीक्षित रावत, विक्रम साहू, नरेशु साहू आदि। यह आयोजन सामाजिक एवं धार्मिक एकता का प्रतीक बनकर क्षेत्रवासियों के लिए श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम रहा।

नम आंखों से दी गई माता दुर्गा को विदाई

राजिम। नौ दिनों तक चले शारदीय नवरात्र के बाद गुरुवार को विजयादशमी और दशहरा का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। त्योहार शांति व सौहार्द्र के माहौल में संपन्न हुआ। विसर्जन के पूर्व लोगों ने विभिन्न पूजा पंडालों में स्थापित मां दुर्गा एवं अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा का दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। गुरुवार शाम तक कई जगहों पर माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। मां दुर्गा के भक्तों ने नम आंखों से मां को विदाई दी। साथ ही अगले वर्ष फिर से आने वादा लिया। गाजे-बाजे और भक्तिगीत के साथ निकली शोभायात्रा के बाद मां को विदाई दी गई। सुबह से ही मां दुर्गा की प्रतिमा का गाँव में भ्रमण कराया गया। वहीं ग्राम भ्रमण के दौरान मां दुर्गा की महिला श्रद्धालुओं द्वारा घर घर में पूजा की। समीपस्थ ग्राम मुड़तराई में दो स्थानों में विराजित माँ दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के लिए गाँव के मुख्य सड़कों पर भ्रमण कराया गया। तत्पश्चात मुख्य तालाब में माता की प्रतिमा विसर्जित की गई।

पांडुका में आज भी परंपरा कायम : 12 पंडालों से एक साथ निकली विसर्जन झांकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

राजिम विकासखंड के बड़ा गांव पांडुका में आज भी दशहरा पर्व पारंपरिक और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ मनाया जाता है। यहां आज भी प्रत्येक मुहल्ले के चौक-चौराहों में अलग-अलग पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। नवमी को नहीं, बल्कि विजयादशमी के दिन यहां प्रतिमाओं का विसर्जन होता है। दशमी के दिन पूरा गांव एकजुट होकर बाजा-गाजा, शोभायात्रा और भक्ति गीतों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमाओं को गांधी चौक में एकत्र करता है। यहां से ठाकुर दिया होते हुए पनखट्टी तालाब में विधिपूर्वक प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है।

पूरी बस्ती उमड़ी, गांधी चौक में एक साथ इकट्ठी हुई सभी प्रतिमाएं

शोभायात्रा से लेकर विसर्जन तक जुड़ी है आस्था

गांव की यह विशेष परंपरा इस बात का प्रमाण है कि बदलते समय में भी परंपराएं जीवित रह सकती हैं। शोभायात्रा हर घर के सामने रुकती है, जहां महिलाएं थाल सजाकर मां की आरती करती हैं। पनखट्टी तालाब में सभी प्रतिमाओं की सामूहिक आरती के बाद उनका क्रमवार विसर्जन होता है, जो दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे तक चलता है।

दशमी को होता है विसर्जन, नवमी को नहीं

पांडुका गांव की खास बात यह है कि यहां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन नवमी को नहीं बल्कि दशहरा (विजयादशमी) के दिन दोपहर बाद किया जाता है। गांव के सभी मोहल्लों की प्रतिमाएं एक-एक कर गांधी चौक में इकट्ठी होती हैं। इसके बाद पनखट्टी तालाब में एक साथ सभी प्रतिमाओं का विसर्जन होता है, जो एक ऐतिहासिक धार्मिक परंपरा मानी जाती है।

दहशत : खेत उजाड़ रहा हाथियों का दल, फसलें तबाह, मुआवजे को लेकर नाराज किसान

जंगल से कहर बनकर निकले हाथी, दहशत में हैं ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

मैनपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बीते 20 दिनों से जंगली हाथियों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। ऐन दशहरा के वक्त हाथियों के गांवों में लगातार दस्तक देने से लोग बुरी तरह दहशत में हैं। लोग शाम होते ही दरवाजे बंद कर अपने घरों में कैद हो जाते हैं, जबकि किसान अपनी फसलें हाथियों के हवाले करने को मजबूर हैं।

- दिन जंगल में, रात गांवों में बर्बादी ; हाथियों का दल बना गंभीर खतरा

बुधवार को ग्राम सिंहार निवासी मानव राम पिता मंगलू कमार अपने खेत में काम कर रहा था, तभी हाथियों के दल के चिंघाड़ से डरकर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बीती रात जिड़ार और सिहार गांव के खेतों में हाथियों ने जमकर तबाही मचाई। दर्जनभर किसानों की धान, मक्का, उड़द और सब्जियों की फसल रौंद दी गई। हाथियों के लगातार हमलों और वन विभाग द्वारा मुआवजा न दिए जाने से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। किसानों ने बताया कि चार महीने की मेहनत से तैयार फसलें पकने को आई थीं, तभी हाथियों ने सबकुछ चौपट कर दिया। किसानों का आरोप है कि उन्हें न तो समय पर चेतावनी मिलती है और न ही नुकसान का सही आंकलन कर मुआवजा दिया जाता है।

हाथी अब नेशनल हाइवे तक कर रहे कूच

गुरुवार सुबह मैनपुर-दबनई-आमामोरा मार्ग पर भी हाथियों का दल देखा गया। यह पहली बार है जब जंगली हाथी लगातार मुख्य मार्ग और नेशनल हाईवे पर दिखाई दे रहे हैं। मैनपुर वन परिक्षेत्र के 8 से 10 गांवों के आसपास हाथियों ने डेरा जमा लिया है। वे सुबह जंगल की ओर निकल जाते हैं और शाम को फिर गांवों का रुख कर रहे हैं।

जिला पंचायत सदस्य और अफसरों की प्रतिक्रिया

जिला पंचायत सदस्य लोकेश्वरी नेताम ने शासन से प्रति एकड़ 80 हजार रुपए मुआवजे की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसानों की स्थिति बेहद दयनीय हो चुकी है। वहीं मैनपुर के वन परिक्षेत्र अधिकारी छबिलाल ध्रुव ने बताया कि फसल क्षति का आकलन कर मुआवजा दिया जाएगा। घायल ग्रामीण को आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है और हाथी मित्र दल द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

माता की प्रतिमाओं का किया गया विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

2 अक्टूबर को नगर मे 9 दिन तक विराजित दुर्गा माता की प्रतिमा को दुर्गा समितियों के द्वारा मौली माता तालाब मे पूजा आरती कर विसर्जन किया गया। इस अवसर पर भक्तों की आंखे नम हुए। 22 सितंबर से नगर के विभिन्न वार्डो मे विराजित दुर्गा माता की प्रतिमा को दुर्गा पंडालों से एक के बाद एक शोभा यात्र निकालकर नगर के चौक चौराहो से होते हुए बाजे गाजे के साथ मौली तालाब लाया गया। तालाब के पास माताओं की पूजा अर्चना करते हुए ड्रम से बने नाव के सहारे तालाब के जलमार्ग से मौली माता मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर तालाब के गहराई मे विसर्जन किया गया। माताओं को विदा करने बड़े ही संख्या मे नगर सहित अंचल के नागरिकों का भीड़ जुटा रहा।सभी लोगो ने जय माता दी के नारे लगाते हुए नम आंखों से माता को बिदा किया।इस अवसर पर पूजा आरती मे पंडित अमल शर्मा,दिनेश शर्मा के साथ भाजपा के वरिष्ट नेता रामूराम साहू,अशोक साहू,कमलेश यदु,नत्थू कश्यप,जगदीश यादव आदि शामिल थे। शांति एवं सुरक्षा को लेकर फिंगेश्वर पुलिस के जवान भी तैनात रहे।

ग्रामीणों ने किया जंवारा विसर्जन

फिंगेश्वर। ग्राम रवेली मे नवरात्र पर्व पर ज्योत जंवारा की स्थापना की गई थी जिसका ग्राम के लोगो ने पूरे नवरात्र पर्व पर पूजा पाठ कर शीश नवाते रहे। अष्टमी पर्व पर यज्ञ हवन कर पूर्णाहूति दी गई। जंवारा विसर्जन करने ग्राम के लोगो ने तालाब पहुंचकर पूजा अर्चना करते हुए जंवारा का विसर्जन किया। इस अवसर पर हुमनलाल ध्रुव, कन्नैयालाल ध्रुव सहित ग्राम वासी उपस्थित थे।

गांव-गांव में दशहरा मेला के साथ हो रही रामलीला

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर सहित पूरे विकासखंड क्षेत्र में आज विजयदशमी दशहरा का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया सुबह नगर सहित क्षेत्र मे चहल पहल देखने को मिला वहीं ग्राम नाउमुड़ा, बरदुला, गिरहोला, खामभाठा, गोपालपुर, गौरघाट, हरदीभाठा, बोईरगांव, बरदूला, मैनपुर कला, तौरेंगा, तुहामेटा, कोनारी व क्षेत्र के कई ग्रामों मे रामलीला का मंचन कर रावण वध कार्यक्रम और कई स्थानो पर दशहरा मेला का आयोजन किया गया जहां भारी भीड़ लगी रही।

- बारिश के बावजूद भी ग्रामीणों ने निकाला भव्य विजय जुलूस

देवी देवताओं की पूजा अर्चना किया और गांव गांव रामलीला का मंचन कर रावण वध कार्यक्रम का आयोजन किया गया रात में विभिन्न ग्रामों मे सांस्कृति व धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। रामलीला मंचन के बाद भगवान श्रीराम माता सीता एवं लक्ष्मण सहित वानर दल के साथ विजय जुलूस निकाली गई। मैनपुर से 2 किमी दूर ग्राम नाउमुड़ा मे भारी बारिश के बावजूद रामलीला का मंचन किया गया तथा रात मे विजय जुलूस निकाली गई भगवान श्रीराम माता सीता और लक्ष्मण तथा वानर सेना का पूजा अर्चना करने आरती उतारने लोग उमड़ पड़े। इस दौरान जय जय श्रीराम के जयकारे लगाये गये।

रामलीला मंचन व रावण वध ने दिखाई धार्मिक भक्ति

बिजली में मनाई गई गांधी जयंती

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा बेलर

समीपस्थ ग्राम पंचायत बिजली के पंचायत भवन में गुरूवार को गांधी जयंती समारोह बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरपंच पद्मामोती निषाद ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं श्रीफल फोड़कर किया।समापन राष्ट्रपिता को नमन और उनके आदर्शों को जीवन में उतारने के संकल्प के साथ किया गया।

इस अवसर पर सरपंच पद्मामोती निषाद ने स्वयं पंचायत भवन परिसर की साफ-सफाई करते हुए स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यदि हमारे आसपास सफाई होगी तो बीमारियां स्वतः ही कम हो जाएंगी। गंदगी कीटाणुओं का घर है, जो विभिन्न बीमारियों को जन्म देती है। अतः हमें शारीरिक स्वच्छता के साथ घर और आसपास की सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए।सरपंच प्रतिनिधि मोती निषाद ने महात्मा गांधी के जीवन मूल्यों पर चर्चा करते हुए कहा कि गांधी जी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। देश की स्वतंत्रता में उनका योगदान अद्वितीय रहा है। आज हमें उनके आदर्शों को आत्मसात कर उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

दुर्गा पंडालों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं विद्यार्थी

सीड बाल महाअभियान छू रहा नए आयाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

शासकीय पं. रामबिशाल पाण्डेय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के छात्र-छात्राएँ 'एक लाख सीड बाल महाअभियान' के तहत नगर एवं आसपास के दुर्गा पंडालों में पहुँचे और श्रद्धालुओं को मिट्टी व खाद से बने छोटे-छोटे बीज बॉल्स वितरित किए। यह पहल पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलायी जा रही है, जिसमें बच्चों ने आमजन को वर्षा ऋतु में इन सीड बाल्स के स्वतः अंकुरित होकर पौधे बनने की प्रक्रिया समझाई। विद्यालय के इको क्लब, एनसीसी, साइंस क्लब और मिशन लाइफ यूथ क्लब के सदस्य इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संयोजक सागर शर्मा और प्रभारी व्याख्याता समीक्षा गायकवाड़ के अनुसार, यह अभियान न केवल विद्यालय तक सीमित है, बल्कि आने वाले दिनों में इसे ग्रामीण क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों तक भी विस्तारित किया जाएगा। श्रद्धालुओं और पंडाल समिति के सदस्यों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे धार्मिक आयोजनों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश जुड़ता है। छात्रों ने संकल्प लिया है कि वे इस हरियाली संदेश को और अधिक व्यापक बनाएंगे।

- हरियाली को बढ़ावा देने के लिए मिट्टी के सीड बाल वितरण से मिली जनस्वीकृति

क्या हैं सीड बाल- सीड बाल मिट्टी, खाद और बीज को मिलाकर बनाए जाते हैं, जिन्हें वर्षा ऋतु में जमीन पर फेंक दिया जाता है। ये बाल स्वयं अंकुरित होकर पौधे में परिवर्तित हो जाते हैं। यह पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए एक सरल, सुलभ और प्रभावी तरीका है।

पर्यावरण संरक्षण में युवा शक्ति का योगदान

विद्यालय के छात्र-छात्राएँ विभिन्न क्लबों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाकर समाज में हरियाली को बढ़ावा दे रहे हैं। यह पहल न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है, बल्कि युवाओं को जिम्मेदारी और नेतृत्व की भावना से भी जोड़ती है।

कौन्दकेरा में गांधी जयंती पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

फिंगेश्वर। ग्राम पंचायत कौन्दकेरा मे 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान ग्राम के पंचायत,तालाब व शीतला मंदिर परिसर में आयोजित किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह शीतला मंदिर प्रांगण से हुई, जहां झाड़ू लगाकर मंदिर और आसपास के परिसर की साफ–सफाई की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने गांधीजी के स्वच्छता ही सेवा के संदेश को दोहराया और ग्रामवासियों से साफ–सफाई के प्रति जागरूक रहने की अपील की। सभी ने श्रमदान करते हुए ग्रामवासियों को यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं,बल्कि जीवन का अभिन्न अंग होना चाहिए। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिस प्रकार गांधीजी ने स्वतंत्र भारत का सपना देखा था,उसी प्रकार सभी को मिलकर स्वच्छ भारत के निर्माण में योगदान देना होगा। उन्होंने जोर दिया कि स्वच्छता से ही समाज में स्वास्थ्य और सकारात्मक वातावरण का निर्माण संभव है। ग्रामवासियों ने इस पहल का स्वागत किया और अपने स्तर पर साफ–सफाई का ध्यान रखने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि वे समय–समय पर इस प्रकार के अभियान चलाकर गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे। अभियान में ग्राम पंचायत के सरपंच राधिका मनोज यादव,जनपद सदस्य रामेश्वरी कुर्रे, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ओंकार साहू,महिला पंच पूनम निर्मलकर,ग्रामसभा अध्यक्ष केजू टंडन,अरविंद चौहान,सोमप्रकाश साहू,संतोष साहू,कमल साहू,सुमित बघेल,किसुन साहू,भूषण साहू,मनोज विश्वकर्मा,दूज लाल साहू,कामता परमार,अनिल मंडल,तुलस साहू,सहित कई भाजपा कार्यकर्ता तथा स्थानीय लोग शामिल रहे।

खबर संक्षेप

रवेली में किया गया मां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन

कोपरा। ग्राम रवेली में नवरात्र का पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया विजयदशमी के दिन सुबह माता दुर्गा की प्रतिमा को विशेष पूजा अर्चना कर विशाल शोभायात्रा निकाली गई दुर्गा प्रतिमाओं का तालाब में विसर्जन किया गया इस दौरान माता के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा गांव के दुर्गा समितियां के द्वारा कलश यात्रा निकाली गई और माता दुर्गा की प्रतिमा को विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर तालाब में विसर्जित किया गया इस दौरान गांव के सरपंच, पंच ग्रामीण अध्यक्ष सहित पूरे ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने महात्मा गांधी व लालबहादुर जयंती मनाई

छुरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं छुरा मंडल के द्वारा राजमहल में भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री का जयंती मनाया गया। सर्वप्रथम दोनों महान विभूतियों की छायाचित्र पर गुलाल एवं माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उनको याद किया गया। किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव रमेश शर्मा द्वारा उनकी जीवनियों पर विस्तार से बताया, कार्यकम में विशेष रूप से राजमहल की राजमाता चंद्रकुमारी शाह, यशपेंद्र शाह, महेश्वरी शाह,वरिष्ठ कांग्रेसी मक्खू दीक्षित,रमेश शर्मा,योगेंद्र चंद्राकर, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अब्दुल समद खान, सेवा दल के प्रदेश सचिव नियाज़ अहमद, नगर पंचायत उपाध्यक्ष अब्दुल शमीम खान, रामजी दिवान पार्षद,सलीम मेमन,हरीश यादव,पूर्व जिलाध्यक्ष महिला जिला कांग्रेस राजकुमारी सोनी, श्वेता चंद्राकर, देशबाई ध्रुव, सेक्टर अध्यक्ष अखिल चौबे,युवा नेता लोकेश यादव सहित कांग्रेसी मौजूद थे।

परसदा में मनाई गई गांधी जयंती

नवापारा-राजिम। परसदा में गुरुवार 2 अक्टूबर गांधी जयंती के उपलक्ष्य में विशेष ग्राम सभा का आयोजन शासन के निर्देशानुसार रखा गया जिसमें मुख्य रूप से गांव के सरपंच रमेश वर्मा मनरेगा मेट टीकू यादव सचिव पंचायत रामचंद्र तारक रोजगार सहायिका माधुरी साहू ,सतनामी समाज अध्यक्ष संतबारले ,रामजी खिलवारे उपस्थित हुए।
सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्र में पूजा अर्चना कर श्रीफल फोड़ा गया तत्पश्चात गांधी जी की जीवनी के बारे में बताते हुए टिकू यादव ने आगे कहा कि हमारे संविधान के अनुसार चार विशेष ग्राम सभा का आयोजन प्रतिवर्ष होता है जिसमें 2 अक्टूबर का भी दिन का विशेष महत्व है महात्मा गांधी की अहिंसा एवं उसके सद्विचार और देश के आजादी कुर्बानी के बारे में जानकारी दिया गया उसके बाद ग्राम सभा का आयोजन कोराम के भाव में स्थगित किया गया गांव के मुख्य मुख्य एजेंडा एवं कार्य को ग्राम सभा में सम्मिलित किया गया और गांव के विकास के लिए नई कार्य योजना का प्रस्ताव पारित किया गया।

पर्व : विसर्जन यात्रा में उमड़ी भारी भीड़, गूंजे जयघोष और ढोल-नगाड़े

जयकारों के साथ माताराानी को दी गई विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

ग्राम पंचायत हरदी में शारदीय नवरात्रि पर्व का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। नौ दिनों तक ग्रामवासी माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना, भजन, जस गीत और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में तन-मन-धन से जुड़े रहे। श्रद्धालु दिन-रात माता की सेवा और भक्ति में लीन होकर जस गीतों के मधुर स्वर से वातावरण को भक्तिमय बनाए रखे।

- नौ दिनों तक भक्ति, उत्साह और श्रद्धा से रचा गया धार्मिक महापर्व

नवरात्रि के समापन अवसर पर विजयादशमी के दिन माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा की शुरुआत गांव के मंदिर प्रांगण से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। मांदर की थाप और झांझ-मंजीरों की गूंज के साथ श्रद्धालु भक्त जस गीत गाते, नाचते और झूमते हुए गली-गली भ्रमण करते रहे। प्रत्येक घर के सामने रुककर श्रद्धालुओं ने माता की आरती उतारी और सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। विसर्जन यात्रा के दौरान पूरा गांव भक्ति और उत्साह से सराबोर नजर आया। रंग-बिरंगे ध्वज, फूलों की सजावट और ढोल-नगाड़ों की गूंज ने वातावरण को और भी भव्य बना दिया। श्रद्धालु माता को विदा करते हुए बार-बार जय माता दी और अंबे माता की जय के जयघोष से गगन को गुंजायमान करते रहे। अंत में बड़ी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का नदी में विसर्जन किया गया। विसर्जन के इस पावन अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं और इस पर्व को भाईचारे एवं एकता का प्रतीक बताया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि ग्रामवासियों के बीच सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का भी माध्यम बना।

मां दुर्गा की प्रतिमा का विधिविधान के साथ किया गया विसर्जन

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर सहित ग्राम मैनपुर कला, शोभा, अमलीपदर, फरसरा, धवलपुर मे नवरात्र पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया और विजयदशमी के अवसर पर सुबह मां दुर्गा की प्रतिमा का विधिविधान के साथ पूजा अर्चना कर तालाब मे विसर्जन किया गया विसर्जन से पूर्व शोभा यात्र निकाली गई जिसमें पूरे नगर ग्रामवासी बड़ी संख्या मे शामिल हुए गाजे बाजे और जसगीत के साथ लोग शोभा यात्र मे शामिल हुए साथ ही जंवारा

विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया गया घर घर नव कन्या भोज के साथ नवाखाई का पर्व मनाया गया। मैनपुर नगर मे विसर्जन शोभा यात्र मे सैकड़ो की संख्या मे नगरवासी शामिल हुए इस दौरान जसगीत के साथ जयकारा लगाते हुए पूरे नगर के लोग नये तालाब तक पहुंचे जहां पंडित नंदकिशोर चौबे द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई साथ ही क्षमा याचना कर संपूर्ण मानव समाज तथा जीवो के लिए आशीश मांगी गई क्षेत्र मे सुख शांति और खुशहाली की कामना की गई माता दुर्गा के प्रतिमा का विसर्जन पूरे विधिविधान के साथ किया गया इस दौरान जय माता दी के जयकारो से पूरा क्षेत्र गुंज उठा वहीं पुलिस की चुस्त दुस्त व्यवस्था रही।

मोंगरा में हुआ मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन, दिखा श्रद्धा और उल्लास का अनुपम दृश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

क्वार नवरात्रि के अवसर पर ग्राम मोंगरा में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन का आयोजन बड़े हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। विसर्जन यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखने योग्य था। गांव की गली-गली से माता दुर्गा की जयकारे और जस गीत गूंजते रहे। महिलाओं की टोली पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ जस गीत गाती हुई चल रही थी, वहीं पुरुष और बच्चे माता के जयकारों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे।

गांव से निकलते ही माता की प्रतिमा को बैंड बाजे और नृत्य-गान के साथ गंगा विसर्जन स्थल की ओर ले जाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ उमड़ पड़ी कि कोमा खान रोड पर लंबे

समय तक जाम की स्थिति बनी रही। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी माता दुर्गा के दर्शन और अंतिम विदाई के भावुक क्षण में शामिल होने पहुंचे थे। श्रद्धालुओं की भीड़ देखते ही बन रही थी। पूरे रास्ते में जगह-जगह आरती, पुष्प वर्षा और नारियल अर्पित कर भक्तों ने मां दुर्गा की आराधना की। विसर्जन स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान के साथ माता की आरती की गई और फिर जयकारों के बीच प्रतिमा को गंगा में विसर्जित किया गया। पूरा वातावरण भक्तिमय और भावनाओं से ओतप्रोत था। श्रद्धालु महिलाएं जस गीत गाकर माता से आशीर्वाद मांग रही थीं कि पूरे गांव पर उनका सदा आशीर्वाद बना रहे। यह दृश्य अत्यंत अनुपम और मनोहारी था, जिसने हर किसी को भावविभोर कर दिया।

गरियाबंद में मां दुर्गा को दी भावभीनी विदाई

भक्तों ने नम आँखों से किया माताराानी की प्रतिमाओं का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

नवरात्रि की भक्ति और उत्साह के साथ माँ दुर्गा की सेवा-पूजा करने के बाद गुरुवार को विजयादशमी पर माँ की प्रतिमाओं का विसर्जन नगर के छिंद तालाब में किया गया। विदाई के समय श्रद्धालुओं की आँखें नम थीं, पर मन में यह विश्वास था कि माँ अगले साल पुनः विराजमान होकर आएंगी। विसर्जन से पूर्व संतोषी मंदिर, डाक बंगला, शारदा चौक, बजरंग चौक सहित विभिन्न दुर्गा पंडालों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने माँ का आशीर्वाद लेकर एक-दूसरे को गुलाल लगाया और जयकारे के बीच माँ दुर्गा की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सजाए गए वाहनों पर विराजमान रंग-बिरंगी प्रतिमाओं के साथ मंदिरों से झांकियां निकाली गईं। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और जसगीत की धुन पर भक्त नाचते-गाते विसर्जन स्थल तक पहुंचे।

बरसते पानी में भी दिखा अद्भुत उत्साह- बरसते पानी ने भी भक्तों का जोश कम नहीं किया। महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे सभी ने भक्ति गीतों और जय माता दी के उद्घोषों के साथ माँ को विदाई दी। नगर की गलियों से लेकर मुख्य मार्गों तक धार्मिक वातावरण गूंजता रहा। छिंद तालाब पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी। क्रेन की मदद से प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। तालाब में साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल, नाव, रस्सी और तैराकों की व्यवस्था की गई थी। इस दौरान पालिका के अधिकारी-कर्मचारी पूरी तरह सक्रिय रहे।

जगह-जगह पर रही पुलिस की तैनाती- सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव के नेतृत्व में पुलिस बल और ट्रैफिक टीम मुस्तैद रही। जगह-जगह पुलिस जवान तैनात रहे और पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया। पूरे नवरात्रि में नगर का वातावरण भक्तिमय रहा। गांधी मैदान, यादव पारा, सुभाष चौक, शिक्षक नगर, सिविल लाइन, संतोषी मंदिर समेत विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन और जसगीत हुए। वहीं गुजराती समाज और श्री सार्वजनिक नव दुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित गरबा महोत्सव ने लोगों को आकर्षित किया।

धूमधाम से हुआ मां भगवती का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोपरा

आंचल के ग्राम लोहरसी सहित आसपास के गांवों में गुरुवार को मां भगवती की प्रतिमाओं का भव्य विसर्जन किया गया। इसी के साथ विजयदशमी का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। शाम होते ही श्रद्धालुओं ने तालाब में माता रानी को नम आंखों से विदाई दी। मंदिरों और विभिन्न चौकों से निकली विसर्जन यात्राओं में श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा, गुलाल उड़ाकर मां भगवती को अंतिम विदाई दी। बारिश की बूंदों ने भी इस भव्य आयोजन का रोमांच बढ़ाया।

विसर्जन यात्रा महावीर चौक, टिकरापारा चौक, बस स्टैंड चौक, शांति चौक, मंगल बाजार चौक, शीतला चौक, भवानी चौक और सरस्वती चौक से होकर गुजरती हुई तालाब तक पहुंची। भक्तों की भारी भीड़ ने माता रानी को श्रद्धा भाव से विदाई दी। गांव के विभिन्न मार्गों से मां भगवती की प्रतिमाएं सालों पुरानी परंपरा के अनुसार तालाब में विसर्जित की गईं। गौठान

जाने वाले मार्ग पर सभी प्रतिमाओं का संगम हुआ, जहां भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु अपने आंसुओं के साथ माता रानी के साथ-साथ परमपिता महाकाल, भोलेनाथ और गणेश जी को भी नम आंखों से विदाई देते नजर आए।

विजयदशमी का धार्मिक महत्व- विजयदशमी, जिसे दशहरा भी कहा जाता है, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह पर्व मां दुर्गा के महिषासुर मर्दिनी रूप की विजय और भगवान राम के रावण पर विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

अंचल में परंपरागत रूप से किया मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

कोपरा। क्षेत्र के ग्रामों में नवरात्र के पावन पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया और ही बड़े हर्षउल्लास के साथ माता रानी को अंतिम विदाई भी दी मां दुर्गा को विदाई देने गांव सभी श्रद्धालु गण इकट्ठा हुए और माता रानी की जयकारा लगाते हुए तालाब की ओर आगे बढ़े तरीघाट,सहसपुर, कसेरूडीह, धुरसा, जेंजरा, देवरी, भेंडरी, कौनद्केरा और लोहरसी मे संध्या बेला में माता को तालाब किनारे अंतिम विदाई दी बस स्टेशन चौक में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक कलर की पोशाक पहनकर माता को अंतिम

विदाई देने गांव की गलियों से आगे बढ़े . इस दौरान डीजे साउंड की भी व्यवस्था की गई थी और विदाई देने पहुंचे सभी भक्तों को प्रसाद वितरण भी की गई।

पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के लिए छात्र-छात्राओं ने दिखाया उत्साह

कचना ध्रुवा महाविद्यालय में किया गया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

भारत सरकार के पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता बढ़ाने हेतु संचालित "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के अंतर्गत निजी कचना ध्रुवा महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई के महिला एवं पुरुष स्वयंसेवकों ने मिलकर माताओं के सम्मान में पौधारोपण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दिनेश साहू एवं रासेयो इकाई के कार्यक्रम अधिकारी रेखराम कुर्रे के मार्गदर्शन में किया गया। परिसर में 50 से अधिक औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. साहू ने कहा कि पेड़ लगाने से न केवल पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है बल्कि इससे ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, धरती का तापमान नियंत्रित होता है, भू-जल स्तर में वृद्धि होती है एवं प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सकता है। महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य तेजस्वी यदु ने पौधों को धरती का आभूषण बताते हुए कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान का उद्देश्य मां के नाम पर एक पेड़ लगाकर उनकी स्मृति को स्थायी बनाना है। यह पहल प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिससे भावी पीढ़ियों के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो सकेगा।

पौधे लगाने के साथ संरक्षण भी आवश्यक

कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकमत होकर यह संदेश दिया कि पौधे लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। तभी "एक पेड़ मां के नाम" जैसी पहल समाज में सार्थक एवं प्रेरणादायी सिद्ध हो सकेगी। यह आयोजन महाविद्यालय परिसर में पर्यावरणीय चेतना को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को जागृत करने वाला साबित हुआ।

पौधारोपण कर ली संरक्षण की जिम्मेदारी

पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं कार्यालयीन स्टाफ ने भी सक्रियता से भाग लिया। प्रत्येक ने एक-एक पौधा रोपकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक तरुण निर्मलकर, निर्मला यादव, आरती साहू, विनोद यादव, धनराज ध्रुव, कैलाश साहू, देवेंद्र भारती, पवन कुमार यादव, टिकेश निर्मलकर, हरि दादा सहित रासेयो इकाई के महिला एवं पुरुष स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।